दिवि

An Initiative By

Divi Welfare Foundation

Concept Note: अवधराणा/AVADHARANA

भारत एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है जिसे "अमृत काल" कहा गया है - यह आगामी 25 वर्षों की वह अवधि है जो 2047 तक जाती है, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। यह कालखंड राष्ट्र के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास में ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है। जहाँ सरकार ने **"विकसित भारत @ 2047"** का स्वप्न रखा है, वहीं इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केवल नीतिगत पहल पर्याप्त नहीं होंगी, इसके लिए एक नीचे से ऊपर तक की, समावेशी और नागरिक-केंद्रित प्रक्रिया आवश्यक है जो राष्ट्रीय दृष्टि को स्थानीय और जनकेंद्रित स्वरूप प्रदान करे। इसी भावना के अंतर्गत "भारत विमर्श", जो कि दिवि वेलफेयर फाउंडेशन की एक राष्ट्रव्यापी पहल है, को एक जन-संवाद मंच के रूप में विकसित किया गया है ताकि नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं, को भारत के भविष्य निर्माण में सहभागी बनाया जा सके। यह पहल विचार आमंत्रित करने, सहमति निर्माण करने और ऐसे कार्यान्वयन-योग्य मार्ग का सह-सृजन करने का लक्ष्य रखती है जो नागरिक आकांक्षाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जोड़े |

भारत विमर्श का मूल उद्देश्य है-नागरिकों को संगठित करना ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। इसके अंतर्गत सुव्यवस्थित संवाद, कार्यशालाएँ और परामर्श सत्र देशभर के विश्वविद्यालयों, विद्यालयों, सामुदायिक केंद्रों तथा डिजिटल मंचों पर आयोजित किए जाएंगे। भारत विमर्श तीन परस्पर संबद्ध विषयों पर आधारित है **-राष्ट्र, संस्कृति और युवा** । राष्ट्र विषय के अंतर्गत सुशासन, लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विकास पर चर्चा होगी। संस्कृति विषय सांस्कृतिक संरक्षण, नैतिक मूल्यों और सामाजिक एकता पर केंद्रित रहेगा । युवा विषय में शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और नेतृत्व सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जाएगी, यह मान्यता रखते हुए कि युवाओं का सशक्तिकरण ही सतत विकास की कुंजी है।इस परियोजना के अंतर्गत क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के आवश्यक विमर्शों को समेकित किया जाएगा।इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को नीति - उन्मुख कार्यान्वयन में रूपांतरित किया जाएगा।

भारत विमर्श यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण एक साझा जिम्मेदारी है और यह सभी नागरिकों, संस्थानों एवं विचार-नेताओं से आह्वान करता है कि वे अपने विचार, नेतृत्व और योगदान से मिलकर एक समृद्ध, समावेशी और सांस्कृतिक रूप से जीवंत भारत @ 2047 के निर्माण में सहभागी बनें।

वाराणसी चैप्टर

काशियाना फाउंडेशन एवं दिवि वेलफेयर फाउंडेशन

प्रस्तुत करते हैं

BHARAT Vimarsh

सहयोग से

पं. दीनदयाल उपाध्याय चेयर, सामाजिक विज्ञान संकाय,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

तिथि : 16 मार्च 2026
समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक
स्थान : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी
विषय: "शिक्षा एवं नशा-मुक्त भारत : विकसित भारत @ 2047 की ओर"

अवधराणा/AVADHARANA

भारत वर्तमान में अमृत काल के परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होना है।
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत @ 2047 का जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, वह सुशासन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, युवा सशक्तिकरण तथा जनभागीदारी पर आधारित एक जन-केंद्रित राष्ट्रीय मिशन है।इसी दृष्टि के अनुरूप भारत विमर्श, दिवी वेलफेयर फाउंडेशन की पहल तथा दिवी पॉलिसी फोरम का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका उद्देश्य नागरिकों-विशेष रूप से युवाओं—को भारत के भविष्य के निर्माण में सहभागी बनाना है, जिसके लिए संगठित संवाद और विचार-विमर्श का मंच प्रदान किया जाता है।भारत विमर्श तीन प्रमुख आयामों- राष्ट्र, संस्कृति और युवा— विषय पर केंद्रित है। इसके माध्यम से शासन व्यवस्था, सामाजिक विकास, सांस्कृतिक मूल्यों, युवा नेतृत्व, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, पर्यावरण, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विकसित भारत @ 2047 से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की जाती है।

आयोजक

काशियाना फाउंडेशन

काशियाना फाउंडेशन एक राष्ट्रीय स्तर का गैर-लाभकारी संगठन है, जो सामाजिक सुधार के लिए समर्पित है और विशेष रूप से **नशा-मुक्त समाज के निर्माण तथा युवा सशक्तिकरण** पर कार्य करता है। इस संस्था ने व्यापक जनजागरूकता अभियानों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से उल्लेखनीय प्रभाव स्थापित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर इसने **"नशा मुक्ति यात्रा"** का सफल आयोजन किया, जो बहु-राज्यीय अभियान के रूप में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और सामुदायिक सहयोग से नशा-मुक्त भारत के संदेश को प्रसारित करता है। राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ते हुए काशियाना फाउंडेशन अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी जुड़ा रहा है, जिनमें **D30** जैसे वैश्विक मंच शामिल हैं, जहाँ इसने भारतीय युवाओं और सामाजिक मुद्दों का प्रतिनिधित्व किया है। जमीनी स्तर पर सतत प्रयासों और राष्ट्रीय स्तर की पहलों के माध्यम से यह संस्था एक **स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज** के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है।

दिवी वेलफेयर फाउंडेशन

दिवी वेलफेयर फाउंडेशन एक सामाजिक प्रभाव वाली संस्था है, जो **समावेशी विकास, नीति जागरूकता और जमीनी सशक्तिकरण** के लिए कार्यरत है। यह संस्था शिक्षा, युवा सहभागिता, महिला सशक्तिकरण तथा सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों और साझेदारियों के माध्यम से कार्य करती है। **अपनी पाठशाला**, कौशल विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम तथा **दिवी पॉलिसी फोरम** जैसे मंचों के माध्यम से यह संस्था नागरिकों और नीति-निर्माण के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास करती है।दिवी वेलफेयर फाउंडेशन शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक समाज संगठनों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर युवाओं की **सार्थक और जागरूक भागीदारी** को प्रोत्साहित करता है।

दिवी पॉलिसी फोरम के अंतर्गत इस संस्था ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें **International Academy of Business (USA)** जैसी प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थाओं के साथ सहयोग शामिल है। इन आयोजनों के माध्यम से नीति, शासन, शिक्षा और वैश्विक मुद्दों पर संवाद को बढ़ावा दिया गया है।

सहयोगी संस्था

पं. दीनदयाल उपाध्याय चेयर, सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में **पं. दीनदयाल उपाध्याय चेयर** की स्थापना सितंबर 2017 में सामाजिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत की गई थी। इसका उद्देश्य **एकात्म मानववाद, भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक-आर्थिक न्याय** से संबंधित शोध एवं शैक्षणिक विमर्श को प्रोत्साहित करना है। यह चेयर पं. दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन और उसके 21वीं सदी के भारत में महत्व का अध्ययन और प्रसार करती है, विशेष रूप से **राजनीतिक दर्शन, स्वराज (स्व-शासन) और समावेशी विकास** के संदर्भ में। यह संस्था सेमिनार, कार्यशाला और विशेष व्याख्यानों का आयोजन कर विद्यार्थियों और शिक्षकों को भारतीय चिंतन और मूल्यों के प्रति जागरूक बनाती है। साथ ही यह उन्नत शोध को बढ़ावा देती है, जिसमें **पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप** भी शामिल हैं। इस चेयर का नेतृत्व प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा किया गया है, जिनमें **प्रो. तेज प्रताप सिंह** तथा स्वर्गीय **प्रो. कौशल किशोर मिश्रा** प्रमुख रहे हैं। यह चेयर **अखंड मंडलाकार** के उस समग्र, समन्वित और सतत विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है, जो भारतीय चिंतन पर आधारित है।

भारत विमर्श के बारे में अधिक जानने के लिए QR कोड स्कैन करें

सहयोग एवं सहभागिता के लिए संपर्क करें:

+91-9415896765

www.diviwelfarefoundation.org